

मैं आरती तेरी गाऊं ओ अम्बे मात भवानी



मैं आरती तेरी गाऊं,
ओ अम्बे मात भवानी,
मैं नित नित शीश नवाऊं,
ओ दुर्गे माँ महारानी।bd।

तर्ज – मैं आरती तेरी गाऊँ ओ केशव ।

है तेरा रूप निराला,
सच मुच में भोला भाला,
तुझसा ना प्यारा कोई,
ओ शेर सवारी वाली,
मैं आरती तेरी गाऊं,
ओ अम्बे मात भवानी।bd।

जो आये शरण तिहारी,
विपदा मिट जाए सारी,
हम सब पर कृपा करना,
ओ भक्तो की प्राण पियारी,
मैं आरती तेरी गाऊं,
ओ अम्बे मात भवानी।bd।

तूने शुम्भ निशुम्भ को मारा,
तूने चंड मुण्ड संहारा,
तूने देवो के प्राण बचाये,
ओ सृष्टि आधार भवानी,
मैं आरती तेरी गाऊं,
ओ अम्बे मात भवानी।bd।

जो गाएं आरती तुम्हारी,
तर जाए नर और नारी,
हम आये शरण तिहारी,
ओ अष्ट भुजाओ वाली,
मैं आरती तेरी गाऊं,
ओ अम्बे मात भवानी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मैं आरती तेरी गाऊं,
ओ अम्बे मात भवानी,
मैं नित नित शीश नवाऊं,
ओ दुर्गे माँ महारानी।bd।

– प्रेषक –
दुर्गेश शर्मा
9165284418
* वीडियो उपलब्ध नहीं।